अल्लूरी सीताराम राजू

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने हैदराबाद में **अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती** के **समापन समारोह** में भाग लिया।

- अल्लूरी सीताराम राजू का 125वाँ समारोह महान स्वतंत्रता सेनानी की **जयंती का एक वर्ष तक चलने वाला उत्सव** था। इस समारोह का शुभारंभ 4 जुलाई, 2022 को प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था।

अल्लूरी सीताराम राजू:

- **परिचय:**
  - अल्लूरी सीताराम राजू एक भारतीय क्रांतिकारी थे जिन्होंने भारत में **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन** के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।
  - उन्होंने **वर्तमान आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाट क्षेत्र में एक गुरिल्ला अभियान में मोर्चा संभाला** और ब्रिटिश सरकार के दमनकारी वन कानूनों तथा नीतियों के खिलाफ जनजातीय लोगों को एकजुट किया।
  - **उनकी बहादुरी और बलिदान** के कारण स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें **मन्यम वीरुडु** के रूप में माना जाता है।

- **प्रारंभिक जीवन और पृष्ठभूमि:**
  - उनका जन्म **4 जुलाई, 1897 अथवा 1898 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम ज़िले के पंडरंगी गाँव** में हुआ था।
  - वह एक **तेलुगू भाषी क्षत्रिय** परिवार से थे।

- **वर्ष 1922-1924 का रम्पा विद्रोह (मान्यम विद्रोह):**
    - अल्लूरी सीताराम राजू ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में हुए[असहयोग आंदोलन](https://www.drishtiias.com) में भाग लिया था और उन्होंने पाया कि **ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा पूर्वी घाट क्षेत्र में जनजातीय लोगों के शोषण** किया जा रहा था।
    - आदिवासी लोग **पोडू या झूम/स्थानांतरण कृषि** करते थे जिसमें **कृषि के लिये वन भूमि के कुछ हिस्सों को साफ किया जाता था तथा कुछ वर्षों के बाद दूसरे क्षेत्रों में पलायन करना** शामिल था। यह उनकी पारंपरिक और टिकाऊ जीवनशैली थी जो उनकी खाद्य सुरक्षा एवं सांस्कृतिक पहचान भी सुनिश्चित करती थी।
    - वर्ष **1882 के मद्रास वन अधिनियम** ने जनजातीय लोगों के आंदोलन पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके अतिरिक्त लघु वन उपज के संग्रह पर भी प्रतिबंध लगा दिया जिससे **उन्हें वन विभाग या ठेकेदारों के लिये कम मज़दूरी पर काम करने हेतु मजबूर** होना पड़ा था।
    - अल्लूरी सीताराम राजू ने एक **गुरिल्ला सेना** बनाई तथा ब्रिटिश पुलिस स्टेशनों और चौकियों पर आक्रमण करने के लिये **गुरिल्ला युद्ध पद्धति का उपयोग** किया था।
        - गुरिल्ला युद्ध अनियमित युद्ध का एक रूप है जिसमें लड़ाकों के छोटे समूह बड़ी और कम गतिशील पारंपरिक सेना से लड़ने के लिये **घात, तोड़फोड़, छापे, छद्म युद्ध, मारना और भागना रणनीति** सहित सैन्य रणनीतियों का उपयोग करते हैं।
    - उनका लक्ष्य आदिवासी लोगों को आज़ाद कराना और अंग्रेज़ों को पूर्वी घाट से बाहर निकालना था।
- **मृत्यु और विरासत:**
    - 7 मई, 1924 को कोय्युरू गाँव में ब्रिटिश सेना ने अल्लूरी सीताराम राजू को पकड़ लिया और मार डाला, जो रम्पा विद्रोह के अंत का प्रतीक था।
    - अल्लूरी सीताराम राजू का जीवन **जाति और वर्ग के आधार पर भेदभाव किये बिना समाज की एकता** का उदाहरण है।
    - वर्ष 1986 में भारत सरकार द्वारा एक **डाक टिकट** जारी की गई जिस पर अल्लूरी सीताराम राजू की तस्वीर है।
    - **अल्लूरी सीताराम राजू** नामक जीवनी पर आधारित फिल्म वर्ष 1974 में रिलीज़ हुई थी।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/alluri-sitarama-raju-1